वी.यू. द्वारा ''उन्नत गौ संवर्धन एवं पंचगव्य उत्पाद प्रदर्शनी का समापन''

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र) द्वारा **''उन्नत गौ संवर्धन एवं पंचगव्य उत्पाद प्रदर्शनी''** का आयोजन दिनांक 27 एवं 28 जनवरी 2018 को गौ–वन अभ्यारण आश्रम, कोनी खर्द, मझौली, जबलपुर में किया गया। इस अवसर पर प्रर्दशनी के माध्यम से गौ संवर्धन हेतु भारतीय गौ वंशीय गायों के लक्षण, विशेषतायें, दुग्धउत्पादन, पंचगव्य उत्पादों गौबर से निर्मित गमले, गौ मूत्र अर्क, हवन टिकिया, मच्छर नाशक कुंडली, नानाजी केंचुआ खाद एवं उन्नत पशु उत्पादन, पशुधन के संक्रामक रोगों का विवरण व रोकथाम विषय संबंधी पशुपालन साहित्यों का प्रर्दशन, फोल्डर्स, चार्ट आदि के माध्यम से किया गया।

दिनांक 28 जनवरी 2018 को आयोजित प्रदर्शनी का निरीक्षण एवं अवलोकन डॉ. पी.डी. जुयाल, माननीय कुलपति, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर व गौवन अभ्यारण आश्रम, कोनी खुर्द मझौली के आयोजक मंडल द्वारा किया गया। तदोपरांत माननीय कुलपति, द्वारा गौ अभ्यारण आश्रम में स्थित गौशाला का भ्रमण करते हुये गौ–माताओं का पूजन–अर्चन, किया एवं प्रसाद के रूप में गुड खिलाया गया। इसके बाद माननीय कुलपति, ने व्यास पीठ पर मंचासीन महाराज का पुष्पहार से अभिवादन किया और अपने उद्‌बोधन में गौ आधारित एवं समेकित कृषि प्रणाली के माध्यम से गौ पालन की महत्ता, दुग्ध उत्पादन, गोबर केंचुआ खाद एवं गोबर का पंचगव्य

उत्पादन में महत्व आदि विषयों पर उद्‌बोधन दिया। साथ ही गौ अभ्यारण आश्रम में स्थित गौ–शाला के साथ **''पंचगव्य उत्पादन इकाई''** की स्थापन का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की श्रंखला में व्यास पीठ पर विराजमान महाराज श्री डॉ. श्याम सुंदर पारासर जी महाराज द्वारा डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल को श्रीफल एवं शा्ल से सम्मानित करते हुये, आर्शीवाद प्रदान किया।

इस दो दिवसीय प्रदर्शनी में हजारों की संख्या में गौ भक्तों, कृषकों, मातृशक्ति, माननीय जिलाध्यक्ष, जिला जबलपुर, श्री नीलेश अवस्थी, माननीय विधायक पाटन–मझौली विधानसभा क्षेत्र, एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा प्रदर्शनी का भ्रमण व अवलोकन किया एवं प्रशंसा की।

इस दो दिवसीय प्रदर्शनी के आयोजन में डॉ. अनिल कुमार गौर, प्रभारी विभागाध्यक्ष, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विस्तार शिक्षा विभाग, श्री विजय चौकसे व श्री अशीष यादव क्षेत्र सहायकों का मार्गदर्शन एवं सहयोग सराहनीय रहा।

सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर